सदन को कार्यवाही ढाई बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

The House then adjourned for lunch at twelve minutes past one of the clock.

The House reassembled after lunch at thirty-three minutes past two of the clock the Vice-Chairman (Shri R. Ramakrishnart) in the Chair.

FELICITATIONS TO THE VICE-CHAIRMAN, SHRI R. RAMAKRISHNAN

SHRI MURLIDHAR CHANDRA-KANT BHANDARE (Maharashtra): May I, on behalf of my colleagues and on my own behalf, accord you a very hearty welcome and wish you a very distinguished career in your new assignment.

SHRI HARI SHANKAR BHABHRA (Rajasthan): I also join my col-league#

SHRI HAREKRUSHNA MALLICK: (Orissa): I also join my colleague.

SHRI PATTIAM RAJAN (Kerala): I also join my colleague.

SHRIMATI USHA MALHOTRA (Himachal Pradesh): Ladies won't lag behind. They also join you.

THE DECLARATION AND PUBLIC SCRUTINY OF ASSETS OF MINISTERS AND MEMBERS OF PARLIAMENT BILL, 197&. .Contd.

श्री पी० एन० सुकुल (उत्तर प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष जी, हमारे साथी श्री बागाईतकर जी का विधेयक आया है कि मन्त्रियों और संसद-सदस्यों की आस्तियों की घोषणा और सार्वजनिक समीक्षा होनी चाहिए। इस विषय पर पिछले कई सत्रों में विचार हो चुका है और चल रहा है। मैं श्री बागाईतकर जी के इस विधेयक के पक्ष में नहीं हूं और मैं इस का विरोध करने के लिए खड़ा हुआ हूं। महोदय, यह सच है कि आज हमारे समाज में काफी ऐसे तत्व मौजूद हैं जो हमारी अर्थव्यवस्था के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। कहा जाता है कि आज भारतवर्ष में बीस हजार से पच्चीस हजार करोड़ तक का काला धन मौजूद है और एक समानान्तर अर्थव्यवस्था चल रही है इस धन की वजह से। यही कारण है कि हमारी जरूरत की तमाम चीजें जो हमें मिलनी चाहिए कभी-कभी नहीं मिल पातीं, हमारे व्यापारीगण और उन से सम्पर्क रखने वाले दूसरे लोग ऐसी परिस्थितियों का निर्माण कर देते हैं कि हमारी अर्थव्यवस्था पर उन का कुप्रभाव पड़ता है•

लेकिन मैं यह मानने के लिए तैयार नहीं हूं कि अर्थ-व्यवस्था पर यह जो कुप्रभाव पड़ता है ब्लैक मनी का गलत पैसों का इसमें हमारे मंत्रिगण या हमारे संसद सदस्य बहुत जिम्मेदार हैं। चाहे यह हमारे पक्ष के हों या विपक्ष के हों, जहां भी संसद सदस्यों का सवाल है और मंत्रियों का सवाल है, यह सोचना कि हममें से कोई इस प्रकार का कार्य करता है यह सर्वथा अनुचित होगा। संसद सदस्य लगभग कम से कम लोक-सभा में जो बैठते हैं और हम लोग जो भारत वर्ष में 10 लाख लोगों के ऊपर एक संसद सदस्य आता है जनता के चुने हुए प्रतिनिधि जिनको 10 लाख लोगों का समर्थन प्राप्त हो, उनके ऊपर आशंकित होना और इस प्रकार से यह मांग करना कि उनकी आस्तियों की घोषणा होनी चाहिए उनकी सम्पत्ति की समीक्षा होनी चाहिए सच्चे दिल से उसकी कोई आवश्यकता मैं, नहीं समझ पाता हूं। आज जो हमारे यहां रियल असेट्स हैं, जिनकी गणना होनी चाहिए, वास्तव में वह असेट्स, वह सम्पति बिग बिजिनेसमैन के पास है और बड़े-बड़े व्यापारियों